



अध्ययन मंत्र®

**Digital
Study Material**

National Education Policy 2020

नई शिक्षा नीति 2020

Important Features of NEP 2020 / एनईपी 2020 की महत्वपूर्ण विशेषताएँ

- NEP 2020 is the first education policy of the 21st century and replaces the thirty-four year old National Policy on Education (NPE), 1986. / नईपी 2020 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और यह चौतीस वर्षीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 की जगह लेती है।
- Built on the foundational pillars of Access, Equity, Quality, Affordability and Accountability, / पहुँच, इक्विटी, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के मूलभूत स्तंभों पर निर्मित,
- Consultation involved over 2 lakh suggestions from 2.5 lakhs Gram Panchayats, 6600 Blocks, 6000 ULBs, 676 Districts. / परामर्श में 2.5 लाख ग्राम पंचायतों, 6600 ब्लॉकों, 6000 यूएलबी, 676 जिलों के 2 लाख से अधिक सुझावों को शामिल किया गया।
- The MHRD had initiated a collaborative, inclusive, and highly participatory consultation process from January 2015. / मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने जनवरी 2015 से एक सहयोगी, समावेशी और अत्यधिक भागीदारी वाली परामर्श प्रक्रिया शुरू की थी।
- In May 2016, 'Committee for Evolution of the New Education Policy' under the Chairmanship of Late Shri T.S.R. Subramanian, Former Cabinet Secretary, submitted its report. / मई 2016 में स्वर्गीय श्री टी.एस.आर की अध्यक्षता में 'नई शिक्षा नीति के विकास के लिए समिति'। पूर्व कैबिनेट सचिव सुब्रमण्यम ने अपनी रिपोर्ट सौंपी।
- The Draft National Education Policy 2019 was uploaded on MHRD's website and at 'MyGov Innovate' portal eliciting views/suggestions/comments of stakeholders, including public. / मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 को एमएचआरडी की वेबसाइट और 'माईगॉव इनोवेट' पोर्टल पर अपलोड किया गया था, जिसमें जनता सहित हितधारकों के विचार/सुझाव/टिप्पणियाँ प्राप्त की गई थीं।

The salient features of the policy are as follows : / नीति की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

School Education / विद्यालय शिक्षा

- Ensure Universal Access at All Levels of schooling from pre-primary school to Grade 12 NEP 2020 aims to achieve 100% Gross Enrollment Ratio in school education by 2030. / प्री-प्राइमरी स्कूल से कक्षा 12 तक स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना NEP 2020 का लक्ष्य 2030 तक स्कूली शिक्षा में 100% सकल नामांकन अनुपात हासिल करना है।

Early Childhood Care Education: / प्रारंभिक बचपन की देखभाल शिक्षा:

- NEP 2020 emphasises on the criticality of the early years to ensure quality early childhood care and education for all children between 3-6 years by 2025. / एनईपी 2020 2025 तक 3-6 साल के बीच के सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक वर्षों की महत्वपूर्णता पर जोर देता है।
- The children in the ages of 3-5 will be catered to by the current system of anganwadis and pre-schools, and age 5-6 will be included with the schooling system in a seamless integrated manner, with a play-way based curriculum to be prepared by the NCERT. / 3-5 वर्ष की आयु के बच्चों को आंगनवाड़ियों और प्री-स्कूलों की वर्तमान प्रणाली द्वारा पूरा किया जाएगा, और 5-6 वर्ष की आयु को प्ले-वे आधारित पाठ्यक्रम के साथ एक सहज एकीकृत तरीके से स्कूली शिक्षा प्रणाली के साथ शामिल किया जाएगा। एनसीईआरटी द्वारा तैयार किया जाना है।
- A National Curricular and Pedagogical Framework for Early Childhood Care and Education (NCPFECCE) for children up to the age of 8 will be developed by NCERT. / एनसीईआरटी द्वारा 8 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (NCERT) के लिए एक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढांचा विकसित किया जाएगा।



- The planning and implementation of early childhood education will be carried out jointly by the Ministries of HRD, Women and Child Development (WCD), Health and Family Welfare (HFW), and Tribal Affairs. / प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की योजना और कार्यान्वयन मानव संसाधन विकास, महिला एवं बाल विकास (WCD), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (HRD), और जनजातीय मामलों के मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

New Curricular and Pedagogical Structure: / नई पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना:

- With emphasis on Early Childhood Care and Education, the 10+2 structure of school curricula is to be replaced by a 5+3+3+4 curricular structure corresponding to ages 3-8, 8-11, 11-14, and 14-18 years respectively. / प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पर जोर देने के साथ, स्कूल पाठ्यक्रम की 10+2 संरचना को 5+3+3+4 पाठ्यचर्या संरचना द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है जो 3-8, 8-11, 11-14 और 14 वर्ष की आयु के अनुरूप है। -18 वर्ष क्रमशः।
- The new system will have 12 years of schooling with three years of Anganwadi/ pre schooling. / नई प्रणाली में तीन साल की आंगनवाड़ी/पूर्व स्कूली शिक्षा के साथ 12 साल की स्कूली शिक्षा होगी।
- The new system will cover four stages: Foundational Stage (in two parts, that is, 3 years of Anganwadi/ pre-school + 2 years in primary school in Grades 1-2; both together covering ages 3-8), Preparatory Stage (Grades 3-5, covering ages 8-11), Middle Stage (Grades 6-8, covering ages 11-14), and Secondary Stage (Grades 9-12 in two phases, i.e., 9 and 10 in the first and 11 and 12 in the second, covering ages 14-18). / नई प्रणाली में चार चरण शामिल होंगे: प्रारंभिक चरण (दो भागों में, आंगनवाड़ी/पूर्व-विद्यालय के 3 वर्ष + कक्षा 1-2 में प्राथमिक विद्यालय में 2 वर्ष; दोनों एक साथ 3-8 वर्ष की आयु को कवर करते हैं), प्रारंभिक चरण (ग्रेड 3-5, उम्र 8-11 को कवर करते हुए), मध्य चरण (ग्रेड 6-8, 11-14 वर्ष की आयु को कवर करते हुए), और माध्यमिक चरण (ग्रेड 9-12 दो चरणों में, यानी, पहले और 11 में 9 और 10) और दूसरे में 12, 14-18 वर्ष की आयु को कवर करते हुए।
- High-quality textbook materials will be developed by NCERT and SCERTs. / एनसीईआरटी और एससीईआरटी द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली पाठ्यपुस्तक सामग्री विकसित की जाएगी।
- States will prepare their own curricula and prepare textbooks incorporating state flavour and material. / राज्य अपना पाठ्यक्रम तैयार करेंगे और राज्य के स्वाद और सामग्री को शामिल करते हुए पाठ्यपुस्तकें तैयार करेंगे।
- The availability of textbooks in all regional languages will be a top priority. / सभी क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।
- Reducing the weight of school bags and textbooks will also be ensured by suitable changes in curriculum load. / पाठ्यचर्या भार में उपयुक्त परिवर्तन करके स्कूल बैग और पाठ्यपुस्तकों का वजन कम करना भी सुनिश्चित किया जाएगा।
- Attaining Foundational Literacy and Numeracy: A National Mission on Foundational Literacy and Numeracy will be set-up on priority to focus on early language and mathematical skills from Grades 1 to 3 by 2025. / आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करना: 2025 तक ग्रेड 1 से 3 तक प्रारंभिक भाषा और गणितीय कौशल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्राथमिक साक्षरता और संख्यात्मकता पर एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया जाएगा।

Multilingualism and the power of language: / बहुभाषावाद और भाषा की शक्ति:

- NEP 2020 lays great emphasis on promoting multilingualism so that children know and learn about the rich and vast array of languages of their country. / एनईपी 2020 बहुभाषावाद को बढ़ावा देने पर बहुत जोर देता है ताकि बच्चे अपने देश की समृद्ध और विशाल भाषाओं के बारे में जान सकें और सीख सकें।
- The medium of instruction until at least Grade 5, but preferably till Grade 8 and beyond, will be the home language/ mother tongue /local language/regional language. / शिक्षा का माध्यम कम से कम ग्रेड 5 तक, लेकिन अधिमानतः ग्रेड 8 और उससे आगे तक, घरेलू भाषा/मातृभाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा होगी।
- Every student in the country will participate in a fun project/ activity on 'The Languages of India', sometime in Grades 6-8, such as, under the 'Ek Bharat Shrestha Bharat' initiative. / देश का प्रत्येक छात्र कक्षा 6-8 में कभी-कभी 'भारत की भाषाएँ' पर एक मनोरंजक परियोजना/गतिविधि में भाग लेगा, जैसे कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत।

- Sanskrit will be offered at all levels of school and higher education as an important, enriching option for students, including as an option in the three-language formula. / संस्कृत को स्कूली और उच्च शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण, समृद्ध विकल्प के रूप में पेश किया जाएगा, जिसमें त्रि-भाषा सूत्र में एक विकल्प भी शामिल है।
- Foreign languages, such as Korean, Japanese, Thai, French, German, Spanish, Portuguese, and Russian, will also be offered at the secondary level. / कोरियाई, जापानी, थाई, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, पुर्तगाली और रूसी जैसी विदेशी भाषाओं को भी माध्यमिक स्तर पर पेश किया जाएगा।
- Indian Sign Language (ISL) will be standardized across the country, and National and State curriculum materials developed, for use by students with hearing impairment. / भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को पूरे देश में मानकीकृत किया जाएगा, और श्रवण बाधित छात्रों द्वारा उपयोग के लिए राष्ट्रीय और राज्य पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की जाएगी।
- A new National Assessment Centre, PARAKH (Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development), will be set up as a standard-setting body for setting norms, standards, and guidelines for student assessment and evaluation for all recognized school boards of India, guiding the State Achievement Survey (SAS) and undertaking the National Achievement Survey (NAS), monitoring achievement of learning outcomes and encouraging and helping school boards to shift their assessment patterns towards meeting the skill requirements of the 21st century. / एक नया राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, PARAKH (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा, और समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण), सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों के लिए छात्र मूल्यांकन और मूल्यांकन के लिए मानदंड, मानक और दिशानिर्देश निर्धारित करने के लिए एक मानक-सेटिंग निकाय के रूप में स्थापित किया जाएगा। भारत के बोर्ड, राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण (SAS) का मार्गदर्शन करते हैं और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) करते हैं, सीखने के परिणामों की उपलब्धि की निगरानी करते हैं और 21 वीं सदी की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने मूल्यांकन पैटर्न को बदलने के लिए स्कूल बोर्डों को प्रोत्साहित और मदद करते हैं।
- Every State/District will be encouraged to establish “Bal Bhavans” as a special daytime boarding school, to participate in art-related, career-related, and play related activities. / प्रत्येक राज्य/जिले को कला से संबंधित, करियर से संबंधित और खेल संबंधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए “बाल भवन” को एक विशेष दिन के बोर्डिंग स्कूल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

Higher Education / उच्च शिक्षा

- Increase GER in higher education to reach at least 50% by 2035. / उच्च शिक्षा में जीईआर को 2035 तक कम से कम 50% तक बढ़ाना।
- The aim will be to increase the Gross Enrolment Ratio in higher education including vocational education from 26.3% (2018) to 50% by 2035. / व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 2035 तक 26.3% (2018) से बढ़ाकर 50% करने का लक्ष्य होगा।
- An Academic Bank of Credit (ABC) shall be established. / एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) की स्थापना की जाएगी।
- A new and comprehensive National Curriculum Framework for Teacher Education, NCFTE 2021, will be formulated by the NCTE in consultation with NCERT. By 2030, the minimum degree qualification for teaching will be a 4-year integrated B.Ed. degree / शिक्षक शिक्षा के लिए एक नया और व्यापक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा, एनसीएफटीई 2021, एनसीटीई द्वारा एनसीईआरटी के परामर्श से तैयार किया जाएगा। 2030 तक, शिक्षण के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता 4 वर्षीय एकीकृत बी.एड. होगी। डिग्री
- The Centre and the States will work together to increase the public investment in Education sector to reach 6% of GDP at the earliest. / शिक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश को जल्द से जल्द जीडीपी के 6% तक पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगे।





अध्ययन मंत्र

Online | Offline Classroom Program

DSSSB | KVS | NVS | CTET | UGC-NET | SUPER TET
BPSC | RPSC | HSSC | HTET | MPTET | OTHER TEACHING EXAMS

Offline Education Preparation

GTB NAGAR-DELHI

UTTAM NAGAR-DELHI

NIRMAN VIHAR-DELHI

Online Education Preparation

For
Android User



Adhyayan Mantra Connected
GET IT ON
Google Play



For
iOS User



ADHYAYAN MANTRA OFFICIAL
App Store
Education



For
Portal User



ADHYAYAN MANTRA OFFICIAL
Web Portal
Education



4+1



64-Mall Road, GTB Nagar
Delhi-110009



www.adhyayanmantra.com



95556-95557